


03 $\frac{12}{19}$

पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण उपर। वकील वादी-
गण ने प्रकरण में वादपत्र पेश नहीं कर बहान
है। निवेदन किया। बहान है। अनुमान कर प्रकरण
में बहान वकील वादीगण सुनी गई। वास्तु आदेश
पत्रावली दिनांक 16/12/2019 में पेश है।

16 $\frac{12}{19}$

पत्रावली वास्तु आदेश आता पेश हुई। वकील वादीगण
उपर। प्रकरण में बहान वकील वादीगण पूर्व में सुनी
जा चुकी है। परवन्त बहान वकील वादीगण ने अपने
वादपत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए मुद्राधिक ईकबाली
जवाब दावा डिफ्री फरमाये जाने का निवेदन किया।

पत्रावली पर उपलब्ध शान्त रिपोर्ट एवं
ईकबाली जवाब का अवलोकन किया गया एवं बहान
वकील वादीगण पर सगौर मनन किया गया किन्तु वादीगण
का ^{वाद}स्वीकार योग्य पाया जाने पर स्वीकार किया जाकर
डिफ्री किया जाता है। विस्तृत निर्णय मेरे द्वारा पृथक
से लिखवाया जाकर शामिल पत्रावली किया गया।

रीख क्रम	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए
	<p>पत्रावली फौजल शुमार होकर नम्बर से कत हो तथा बाद तम्मील दाखिल वफर हो। यह निर्णय आत दिनांक 16/12/19 को मेरे द्वारा खुले - न्यायालय में सुनाया गया।</p> <div style="display: flex; align-items: center; justify-content: center;">  <div style="text-align: center;"> <p><i>Dr</i> (राजीव सिंह) सहायक क्लर्क (फास्ट ट्रेक) खण्डेला</p> </div> </div>	